प्रारूप-33

परियोजना का नामः– प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज–8 के अन्तर्गत जामक ब्याणा से स्याबा मोटर मार्ग का निर्माण (6.00 किमी0) के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव। (कुल वन भूमि – 3.318 है0)

भू–वैज्ञानिक की आख्या

भू–वैज्ञानिक आख्या संलग्न है।

80

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर – I
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

भू – गर्भीय निरीक्षण आख्या एस0जी0 – 48 / सड़क समरेखण / गढ़वाल / 2010

बयाना से स्याबा मोटर मार्ग, जिला उत्तरकाशी के समरेखण स्थल की भूगर्भीय आख्या

जनवरी 2010

बयाना से स्याबा मोटर मार्ग, जिला उत्तरकाशी के समरेखण स्थल की भूगर्भीय आख्या

स्तावना :– सिचाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग, उत्तरकाशी द्वारा प्राधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना फेज–VIII के हत विकास खण्ड भटवाड़ी में बयाना से स्याबा मोटर मार्ग कुल लम्बाई 6.00 कि०मी० का निर्माण प्रस्तावित है। धिशासी अभियन्ता, सिचाई खण्ड, लो०नि०वि०, उत्तरकाशी के अनुरोध पर उक्त मोटर मार्ग के दो वैकल्पिक समरेखणों के प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण, अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 02.01.10 को किया गया, जिसमें समरेखण न0–1 गर्वीय दृष्टि से मार्ग निर्माण हेतु उपयुक्त पाया गया।

गर्भीय स्थिति :– यह समरेखण गढ़वाल लेसर हिमालय के उत्तरी क्षेत्र में स्थित है, जिसमें मुख्यतः गढवाल गूप के शैल विद्यमान हैं जो कि मुख्यतः क्वार्टजाइट्स, फिलाइट्स, डोलोमाइट्स से बनो हुये हैं तथा यदा–कदा बेसिक शैलों द्वारा इन्ट्रूडैड हैं। यह शैल उत्त में मैन सेन्ट्रल थ्रस्ट (MCT) द्वारा सेन्ट्रल किस्टलाइन द्वारा विभाजित है। यह शैल चार संधियों से युक्त हैं। इन शैलों की स्ट्रेन्थ विभिन्न स्थानों पर 50 M Pa, 100M Pa तथा 250M Pa तक आंकी गयी (ISRM Manual Index) तथा इन शैलों का क्षरण का ग्रेड W_0- W_1 तक पाया गया। समरेखण क्षेत्र के ढाल 25^0 से 45^0 तक झुके हुये हैं तथा यदा कदा ओवर बर्डन मटेरियल से ढके हुये हैं जिसके मेटेरियल की कन्सिसटेन्सी उच्च आंकी गयी है। समरेखण क्षेत्र के ढालों में पढ़ने वाले नालों पर 1 पुल, 1 कल्वर्ट एवं 3 काजवे का निर्माण किया जाना आवश्यक है।

सुझाव :–

1. मार्ग की चौड़ाई यथा संभव हिल साइड़ की कटिंग द्वारा प्राप्त की जाय।
2. सड़क की स्थिरता के लिए उचित drainage की व्यवस्था की जाये।
3. आवश्यक्तानुसार ब्रेस्ट/रिटेनिंग वाल का निर्माण मार्ग की सुरक्षा हेतु किया जाय।
4. मार्ग में पड़ने वाले शैलों पर जहॉ आवश्यक हो नियन्त्रित विस्फोट किये जाय अन्यथा विस्फोटको का प्रयोग न किया जाय।
5. पहाड़ी क्षेत्र में बनने वाले मार्गो के लिए निर्धारित मानकों का पालन किया जाएं।

5. **निष्कर्ष**:– समरेखण स्थल पर किए गए भूगर्भीय अध्ययन के आधार पर उपरोक्त सुझाव का अनुपालन करते हुए समरेखण न0– 1 मार्ग बनाने हेतु उपयुक्त है।

04/01/2010
(विजय डंगवाल)
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर–।,
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

Photo copy attested
AE
Assistant Engineer
Irrigation Divn. (P.W.D.)
(Uttarkashi)

छाया प्रति सत्यापित
सहायक अभियन्ता
सिंचाई खण्ड लो० नि० वि०
उत्तरकाशी